

विषय:- कसण्ड रिकला रेन्स (कोल्स) कसिडकोरस जिजा उदयपुर को राजस्थान का अधिनियम संख्या १३ सन् १९९२ की धारा २० के अन्तर्गत अराक्षित का घोषित करने के लिये.

Handwritten initials and scribbles on the left margin.

इस कसण्ड को अराक्षित का (Reserved Forest) घोषित किये जाने के पुस्ताव की विज्ञप्ति मेवाड का अधिनियम (अधिनियम संख्या २ सन् १९८२) की धारा ४ के अन्तर्गत मेवाड राजस्थान सरकार राज्य विभाग से आदेश संख्या F 9 (E) कोल्स 21-3064 दिनांक 28/20/89 से मेवाड राजस्थान राज्य दिनांक 25/22 में प्रकाशित हुई.

उक्त अधिनियम की धारा ६ के अनुसार घोषण का दिनांक २२-३-८२ को सम्बन्धित ग्रामों में प्रकाशित किये जाये जो लक्ष्य पत्रावली है. जम्दारी व एक इकूक के अन्दर पत्र दाखल करने के लिये १ माह की अवधि दी गई है.

इस कसण्ड की कूट सम्पत्ति कार्यवाही सम्पूर्ण होने पर दिनांक 20/23 को श्री डिप्टी कमिश्नर फोरेस्ट सेटलमेंट आफिसर उदयपुर ने अन्तिम निर्णय जारी किया और मेवाड राज्य का अधिनियम की धारा १४ की विज्ञप्ति राजस्थान राज्य में प्रकाशित करने हेतु श्री का बन्दोबस्त अधिकारी साहब राजस्थान जयपुर पास प्रेषित किये जो वहां से मुख्य का सरलक साहब राजस्थान के कार्यालय में प्रेषित किये गये परन्तु उसके पश्चात इस कसण्ड की विज्ञप्ति के सम्बन्ध में कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई और न ही राजस्थान में प्रकाशित हुई किन्तु काफी समय तक प्रवृत्त करने पर भी पुराने दृष्टस नहीं मिले इस सम्बन्ध में श्री का सरलक साहब, पश्चिम कूट, उदयपुर का भी उतर प्राप्त हुआ है कि अब नये दृष्टस राजस्थान का अधिनियम के अन्तर्गत तैयार करीये जाकर राजस्थान में प्रकाशन की कार्यवाही कराई जाये. इस सम्बन्ध में श्री का सरलक साहब, योजना व सीमांकन राजस्थान जयपुर का भी पत्र संख्या ४२०१ दिनांक १८-८-८९ प्राप्त हुआ है.

अतः निर्णय दिनांक 20/23 के आधार पर इस कसण्ड सम्बन्धी सीमाररेखा का विकरण व अधिकार के परिशिष्ट ३, व नया दृष्टस नकशा लक्ष्य कर राजस्थान का अधिनियम संख्या १३ सन् १९९२ की धारा २० की विज्ञप्ति राजस्थान में प्रकाशित करीये जाने हेतु प्रेषित है.

संलग्न :-
दृष्टस नकशा :-
विज्ञप्ति धारा २०,
सीमाररेखा का विकरण, व
अधिकार के परिशिष्ट,

का बंदो बस्त अधिकारी,
उदयपुर राजस्थान.

TRUE COPY

Handwritten signature and stamp: Forest Settlement Officer, Udaipur.